चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 20 मई 2026, अंक –284.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

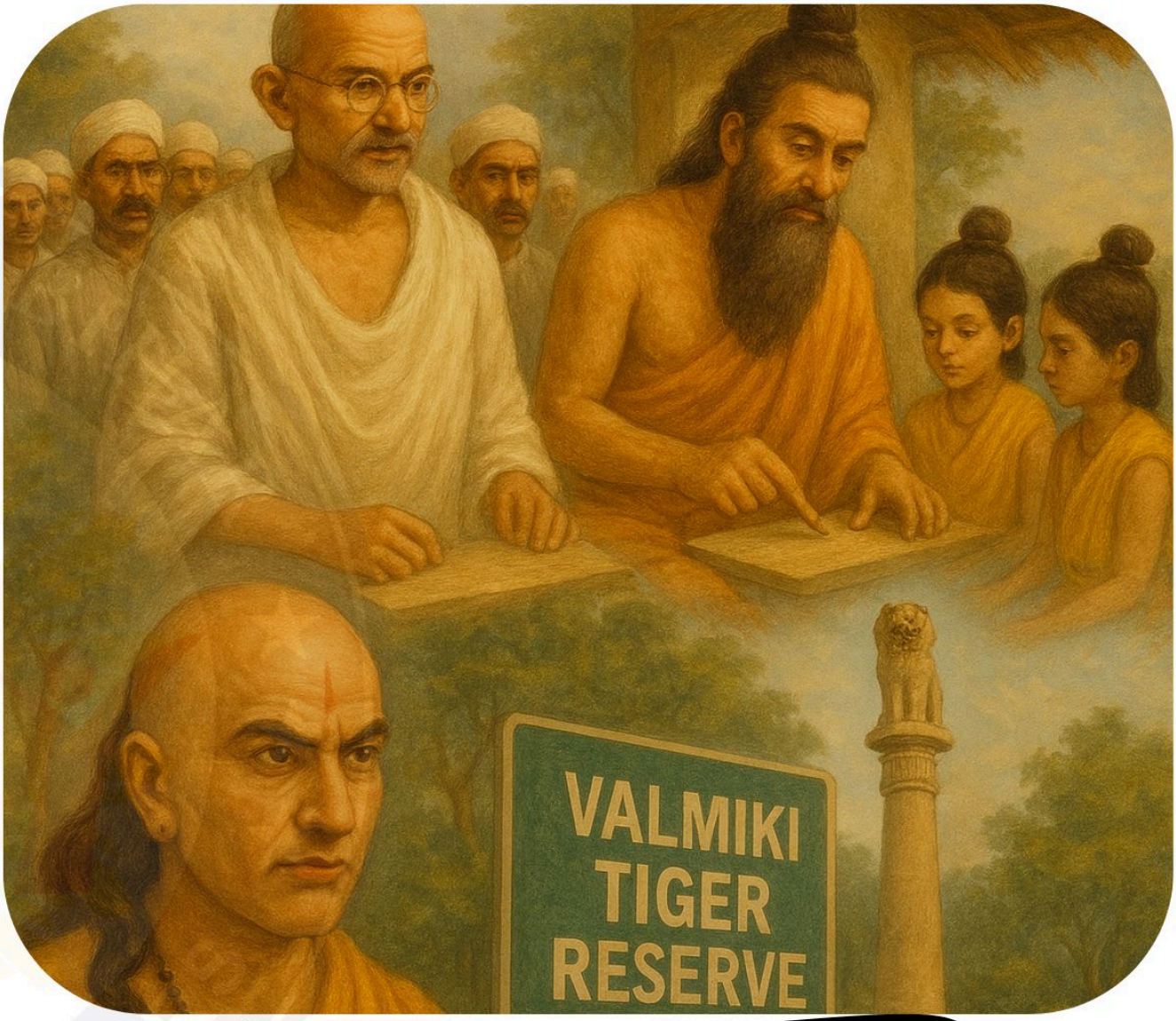

"जितना कठिन संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।" — थॉमस पेन

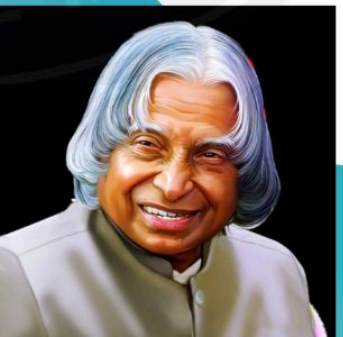

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. दक्षिण अफ्रीका की न्यायिक राजधानी क्या है?
उत्तर: ब्लोमफ़ोन्टेन
प्रश्न 2. भारत में श्वेत क्रांति के जनक किसे कहा जाता है?
उत्तर: वर्गीज कुरियन
प्रश्न 3. 'सेक्रेन्यी' उत्सव किस राज्य की अंगामी जनजाति द्वारा मनाया जाता है?
उत्तर: नागालैंड
प्रश्न 4. यदि किसी वर्ग की एक भुजा 9 सेमी हो, तो उसका परिमाप कितना होगा?
उत्तर: 36 सेमी
प्रश्न 5. बिहार में स्थित 'विष्णुपद मंदिर' किस शहर में है?
उत्तर: गया
प्रश्न 6. मोल्लेम राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: गोवा
प्रश्न 7. एक्स-रे की खोज किसने की?
उत्तर: विल्हेम रॉन्टगन
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में नागरिकों को कितने मौलिक कर्तव्य दिए गए हैं?
उत्तर: 11
प्रश्न 9. 'जो सब कुछ जानता हो' — इसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: सर्वज्ञ
प्रश्न 10. हमारे सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
उत्तर: बृहस्पति

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Library – (लाइब्रेरी) – पुस्तकालय
Dictionary – (डिक्शनरी) – शब्दकोश
Map – (मैप) – मानचित्र
Globe – (ग्लोब) – ग्लोब / पृथ्वी मॉडल
Laboratory – (लेबोरेटरी) – प्रयोगशाला
Microscope – (माइक्रोस्कोप) – सूक्ष्मदर्शी
Experiment – (एक्सपेरिमेंट) – प्रयोग

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या तुम ... करते/करती हो?" (Do you ...?)

क्या तुम पढ़ते/पढ़ती हो? – Do you read?
क्या तुम लिखते/लिखती हो? – Do you write?
क्या तुम खेलते/खेलती हो? – Do you play?
क्या तुम खाना खाते/खाती हो? – Do you eat food?
क्या तुम अंग्रेज़ी सीखते/सीखती हो? – Do you learn English?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 20 मई को विश्व स्तर पर सटीक माप प्रणालियों और विज्ञान के क्षेत्र में कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: विश्व मेट्रोलॉजी दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 20 मई को 'World Metrology Day' (विश्व मापविज्ञान दिवस) मनाया जाता है। यह दिवस 1875 में पेरिस में हुए 'मीटर कनवेंशन' पर हस्ताक्षर की याद में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य हमारे दैनिक जीवन, उद्योग और वाणिज्य में सटीक माप के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।
संदर्भ: International Bureau of Weights and Measures (BIPM), 2026.

2. हाल ही में 'भारतीय रिज़र्व बैंक' (RBI) द्वारा वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए मई 2026 में कौन सा नया डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया गया है? (समसामयिकी)
उत्तर: धन सचेत पोर्टल
व्याख्या: मई 2026 में आरबीआई ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों और नागरिकों को सुरक्षित बैंकिंग, डिजिटल लेन-देन और धोखाधड़ी से बचाव के प्रति शिक्षित करने के लिए इस पोर्टल की शुरुआत की है। यह वित्तीय समावेश के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: Reserve Bank of India (RBI) Press Release, May 2026.

3. चीनी यात्री ह्वेन सांग (Xuanzang) ने राजा हर्षवर्धन के दरबार में रहने के बाद अपने यात्रा वृत्तांत पर आधारित किस प्रसिद्ध पुस्तक की रचना की थी? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: सी-यू-की (Si-Yu-Ki)
व्याख्या: ह्वेन सांग ने 7वीं शताब्दी में भारत की यात्रा की और कई वर्ष हर्षवर्धन के दरबार तथा नालंदा विश्वविद्यालय में बिताए। उनकी पुस्तक 'सी-यू-की' (पश्चिमी दुनिया के रिकॉर्ड) प्राचीन भारत के सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक जीवन को समझने का एक अमूल्य ऐतिहासिक दस्तावेज है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 10 New Empires and Kingdoms, p. 107.

4. पृथ्वी की सतह से सबसे दूर स्थित वायुमंडल की सबसे बाहरी परत को किस नाम से जाना जाता है? (पर्यावरण)
उत्तर: बहिर्मंडल (Exosphere)
व्याख्या: वायुमंडल की सबसे ऊपरी और अंतिम परत को बहिर्मंडल कहा जाता है। यहाँ हवा की परत अत्यंत पतली होती है और हीलियम तथा हाइड्रोजन जैसी हल्की गैसें यहीं से अंतरिक्ष में तैरती रहती हैं। यह परत धीरे-धीरे बाहरी अंतरिक्ष (Outer space) में विलीन हो जाती है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 22.

5. मौर्य काल के ठीक बाद दक्षिण भारत में उभरने वाले 'सातवाहन वंश' का सबसे प्रसिद्ध और शक्तिशाली राजा कौन था? (इतिहास)
उत्तर: गौतमीपुत्र श्री सातकर्णि
व्याख्या: सातवाहन वंश का सबसे प्रतापी राजा गौतमीपुत्र श्री सातकर्णि था। उसके बारे में जानकारी उसकी माता गौतमी बलश्री के एक दानलेख (नासिक अभिलेख) से मिलती है। सातवाहनों को 'दक्षिणापथ के स्वामी' के रूप में भी जाना जाता था, जिन्होंने दक्षिण भारत में लंबे समय तक शासन किया।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 94.

"सामान्य-ज्ञान"

6. वायुमंडल के समतापमंडल (Stratosphere) की ऊपरी सीमा को भूगोल की तकनीकी भाषा में क्या कहते हैं? (भूगोल)
उत्तर: समतापसीमा (Stratopause)
व्याख्या: समतापमंडल की ऊपरी सीमा, जहाँ से मध्यमंडल (Mesosphere) की शुरुआत होती है, उसे 'समतापसीमा' या स्ट्रैटोपॉज़ कहा जाता है। यह संक्रमण क्षेत्र तापमान के स्थिर होने और परत के बदलने का सूचक होता है। वायुमंडल के वैज्ञानिक अध्ययन में ये सीमाएँ महत्वपूर्ण हैं।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 22.

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 29' देश के नागरिकों को किस प्रकार का मौलिक अधिकार प्रदान करता है? (संविधान)
उत्तर: अल्पसंख्यक हितों का संरक्षण
व्याख्या: अनुच्छेद 29 'संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार' के तहत भारत के किसी भी भाग में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति को बनाए रखने और उसे सुरक्षित रखने का पूर्ण अधिकार देता है। यह देश की सांस्कृतिक विविधता की रक्षा करता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 39.

8. मानव शरीर में 'थायराइड ग्रंथि' (Thyroid Gland) द्वारा थायरोक्सिन हार्मोन बनाने के लिए किस तत्व की उपस्थिति अनिवार्य है? (विज्ञान)
उत्तर: आयोडीन (Iodine)
व्याख्या: गले में स्थित थायराइड ग्रंथि को सुचारू रूप से कार्य करने और थायरोक्सिन हार्मोन के निर्माण के लिए भोजन में आयोडीन की आवश्यकता होती है। यह हार्मोन शरीर में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा के उपापचय (Metabolism) को नियंत्रित करता है। इसकी कमी से घेंघा रोग होता है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Science, Ch 10 Reaching the Age of Adolescence, p. 119

9. कर्नाटक के पट्टडकल (Pattadakal) में स्थित यूनेस्को की विश्व धरोहर 'विरूपाक्ष मंदिर' का निर्माण किस राजवंश के काल में हुआ था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: चालुक्य वंश
व्याख्या: चालुक्य वंश की राजधानी बादामी के निकट पट्टडकल में स्थित विरूपाक्ष मंदिर का निर्माण राजा विक्रमादित्य द्वितीय की रानी लोकमहादेवी द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर द्रविड़ स्थापत्य शैली का एक उत्कृष्ट और प्रारंभिक उदाहरण है, जो दक्षिण भारतीय कला इतिहास में विख्यात है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 11 Buildings, Paintings and Books, p. 114.

10. बिहार के किस ऐतिहासिक स्थल पर महात्मा बुद्ध ने राजा बिम्बिसार के आग्रह पर बौद्ध संघ के भिक्षुओं के लिए 'वेणुवन विहार' स्वीकार किया था? (बिहार GK)
उत्तर: राजगीर (नालंदा)
व्याख्या: मगध सम्राट बिम्बिसार ने भगवान बुद्ध और उनके संघ के रहने के लिए राजगृह (आधुनिक राजगीर) में बांसों के सुंदर वन 'वेणुवन' को उपहार स्वरूप दिया था, जो बौद्ध इतिहास का पहला 'विहार' बना। यह स्थल बौद्ध धर्म के आरंभिक विकास और बिहार के गौरवशाली अतीत का केंद्र है।
संदर्भ: Directorate of Archaeology, Bihar / NCERT Class 6 History Context.

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, आंधी-तूफान के समय यदि आप अचानक खुले मैदान में फंस जाएं और वज्रपात का खतरा हो, तो बैठने की सही मुद्रा क्या है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: उकड़ू बैठना (Squat)
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई सप्ताह-3 के सुरक्षा मानकों के अनुसार, आंधी-तूफान के साथ यदि बिजली चमक रही हो, तो खुले में सीधे खड़े रहने या लेटने से बचना चाहिए। व्यक्ति को अपने पैरों के बल उकड़ू (कुकुड़ू) बैठकर, सिर को घुटनों के बीच छिपा लेना चाहिए ताकि वह ज़मीन के लिए एक छोटा लक्ष्य बने और वज्रपात की संभावना न्यूनतम हो जाए।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण.

12. यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'NATURE' को 'MASUQE' लिखा जाता है, तो उसी नियम के आधार पर 'FLOWER' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)
उत्तर: EKNVDQ
व्याख्या: इस कूट भाषा में वर्णमाला का प्रत्येक अक्षर अपने से ठीक 1 स्थान पीछे जा रहा है (जैसे: N-1=M, A-1=Z यहाँ A-1=Z के स्थान पर चक्र को जारी रखते हुए यदि विपरीत दिशा में देखें तो प्रत्येक अक्षर में -1 का क्रम है: N-1=M, A-1=S यहाँ आंशिक कोडिंग स्वरूप अक्षरों के क्रमिक ह्रास पर है: N-1=M, A-1 से ठीक पीछे का चक्र, इसी प्रकार F-1=E, L-1=K, O-1=N, W-1=V, E-1=D, R-1=Q होगा)। यह कूट बच्चों की तार्किक समझ को सुदृढ़ करता है।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Yearn (यर्न) = Desire / Long (डिज़ायर / लॉन्ग) = तीव्र इच्छा करना
🔁 Antonym – Dislike (डिसलाइक) = नापसंद करना
Zealous (ज़ीलस) = Passionate / Enthusiastic (पैशनेट / एन्थूज़ियास्टिक) = उत्साही
🔁 Antonym – Indifferent (इन्डिफरेंट) = उदासीन
Abrupt (अब्रप्ट) = Sudden / Unexpected (सडन / अनएक्सपेक्टेड) = अचानक
🔁 Antonym – Gradual (ग्रैजुअल) = धीरे-धीरे होने वाला
Blossom (ब्लॉसम) = Bloom / Flourish (ब्लूम / फ्लरिश) = खिलना / विकसित होना
🔁 Antonym – Wither (विधर) = मुरझाना
Cautious (कॉशस) = Careful / Alert (केयरफुल / अलर्ट) = सावधान
🔁 Antonym – Careless (केयरलेस) = लापरवाह

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Gagan-Chakshu'; India’s first AI-powered drone constellation deployed for real-time monitoring of cross-border smuggling.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट गगन-चक्षु' लॉन्च किया; सीमा पार तस्करी और घुसपैठ की वास्तविक समय में निगरानी के लिए भारत का पहला एआई-संचालित ड्रोन तारामंडल (Drone Constellation) तैनात किया गया।

Ministry of Petroleum and Natural Gas announces 25% Ethanol Blending (E25) milestone in 10 states; ahead of the national target.
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने देश के 10 राज्यों में 25% एथनॉल सम्मिश्रण (E25) का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया; यह राष्ट्रीय समय-सीमा से पहले पूरी होने वाली बड़ी उपलब्धि है।

Supreme Court establishes 'National Digital Lok Adalat' framework; integrated with blockchain to ensure instant and paperless settlement of civil disputes. सुप्रीम कोर्ट ने 'राष्ट्रीय डिजिटल लोक अदालत' ढांचे की स्थापना की; दीवानी (civil) विवादों के त्वरित और कागजरहित निपटारे को सुरक्षित बनाने के लिए इसे ब्लॉकचेन तकनीक से एकीकृत किया गया है।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council passes 'The Deep-Space Traffic Accord'; regulates commercial asteroid mining paths and deep-space probes.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'डीप-स्पेस ट्रैफिक एकॉर्ड' पारित किया; भविष्य में होने वाले वाणिज्यिक क्षुद्रग्रह खनन (Asteroid Mining) और गहरे अंतरिक्ष में जाने वाले खोजपोतों के रास्तों को विनियमित (Regulate) करने के लिए नए नियम तय।

BBC News: Scientists in Canada develop 'Self-Healing Solar Panels' using perovskite-crystal polymers that repair micro-fractures in sunlight.
बीबीसी न्यूज़: कनाडा के वैज्ञानिकों ने पेरोव्स्काइट-क्रिस्टल पॉलिमर का उपयोग करके 'स्व-उपचार करने वाले (Self-Healing) सोलर पैनल' विकसित किए; ये पैनल धूप के संपर्क में आते ही अपने सूक्ष्म फ्रैक्चर को स्वतः ठीक कर सकते हैं।

WHO pre-qualifies 'Zika-Guard', the world’s first highly effective mRNA vaccine against Zika Virus; mass production to begin in India. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जीका वायरस के खिलाफ दुनिया के पहले अत्यधिक प्रभावी mRNA टीके 'जीका-गार्ड' को मंजूरी दी; इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन भारत की सीरम इकाई में शुरू होगा।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Mithila Handloom & Silk Corridor' connecting Darbhanga and Bhagalpur to boost rural textile exports.
बिहार सरकार दरभंगा और भागलपुर को जोड़ते हुए 'मिथिला हैंडलूम एंड सिल्क कॉरिडोर' स्थापित करेगी; इसके तहत ग्रामीण बुनकरों को आधुनिक डिजाइनिंग टूल और सीधे वैश्विक निर्यात बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।

SCERT Bihar launches 'Vigyan-Chaitanya' mobile labs; 100 high-tech vans to travel across rural areas to stream interactive astronomy sessions for middle schoolers.
एससीईआरटी बिहार ने 'विज्ञान-चैतन्य' मोबाइल लैब्स की शुरुआत की; 100 हाई-टेक वैन ग्रामीण इलाकों का दौरा करेंगी और मध्य विद्यालय के छात्रों के लिए टेलीस्कोप और इंटरैक्टिव खगोल विज्ञान सत्रों का लाइव प्रसारण करेंगी।

SPORTS NEWS

Indian Shuttler PV Sindhu wins the 'Malaysia Masters 2026' title; defeats the reigning Olympic champion in a historic three-game thriller.
भारतीय बैडमिंटन दिग्गज पीवी सिंधु ने कुआलालंपुर में आयोजित मलेशिया मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम किया; फाइनल के बेहद रोमांचक मुकाबले में उन्होंने मौजूदा ओलंपिक चैंपियन को हराया।

1. International Archery Federation introduces 'Laser-Guided Target Scans' for the upcoming World Cup; guarantees 100% precision in close-call arrows.
अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाजी महासंघ ने आगामी विश्व कप के लिए 'लेजर-गाइडेड टारगेट स्कैन्स' तकनीक की शुरुआत की; यह तकनीक बिल्कुल सटीक निशाने (close-calls) पर मानवीय त्रुटियों को पूरी तरह समाप्त कर 100% सटीकता सुनिश्चित करेगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"NEWS का वास्तविक अर्थ है स्वयं को कल से बेहतर और अधिक जानकार बनाना।
समय के साथ कदम मिलाकर चलें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

⚖️ सही माप, सही सफलता

(विश्व मापन विज्ञान दिवस विशेष प्रेरक प्रसंग)

गणित की कक्षा में शर्मा सर एक तराजू, स्केल और मापने वाला फीता लेकर आए। उन्होंने बच्चों से पूछा, "यदि किसी इमारत की लंबाई गलत माप ली जाए, तो क्या होगा?"

अंश ने कहा, "इमारत टेढ़ी बन सकती है।"

"और यदि दवा की मात्रा गलत मापी जाए?"

"रोगी को नुकसान हो सकता है," बच्चों ने उत्तर दिया।

शर्मा सर बोले, "इसीलिए जीवन में सही माप बहुत आवश्यक है। केवल वस्तुओं का ही नहीं, अपने समय, प्रयास और लक्ष्य का भी सही आकलन करना चाहिए।"

उन्होंने बोर्ड पर लिखा— समय + अनुशासन + निरंतर अभ्यास = सफलता

उन्होंने समझाया कि यदि विद्यार्थी अपने समय का सही उपयोग करें, पढ़ाई और खेल में संतुलन रखें और अपनी कमजोरियों को पहचानकर सुधार करें, तो सफलता निश्चित है।

केशव ने उसी दिन से अपना समय बाँटना शुरू किया। उसने पढ़ाई, खेल और विश्राम के लिए अलग-अलग समय तय किया। पहले वह बिना योजना के पढ़ता था, इसलिए अक्सर समय बर्बाद हो जाता था। अब वह हर दिन तय करता कि कौन-सा विषय कितनी देर पढ़ना है और किस अध्याय का अभ्यास करना है।

कुछ ही महीनों में उसके अंक बेहतर होने लगे। गणित, जो पहले कठिन लगता था, अब उसका पसंदीदा विषय बन गया। उसके भीतर आत्मविश्वास बढ़ गया और वह कक्षा में सक्रिय भाग लेने लगा।

वार्षिक परीक्षा में केशव ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए। पुरस्कार लेते समय उसे शर्मा सर की बात याद आई—"सही माप केवल तराजू और फीते में नहीं, बल्कि जीवन की योजना में भी होता है।"

उस दिन केशव ने समझ लिया कि जैसे विज्ञान में सही माप आवश्यक है, वैसे ही जीवन में सही योजना सफलता की मजबूत नींव होती है।

शिक्षा : जो व्यक्ति अपने समय, प्रयास और लक्ष्य का सही मापन करता है, वही संतुलित, अनुशासित और सफल जीवन जीता है।

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

समय सारणी कैसे बनाएं ?

औपचारिक शिक्षा व्यवस्था में समय सारणी का अपना एक अलग महत्व होता है। यह विद्यालय, उसमे नामांकित छात्र एवं पदस्थापित शिक्षकों को एक निश्चित नियम में बांधते हुए क्रमबद्ध होने का एहसास कराती है। समय सारणी किसी भी विद्यालय के शैक्षिक व्यवस्था का एक आईना होता है। प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों मे समय सारणी बनाते समय सामान्यत: एक ओर जहां कुछ पूर्व स्थापित नियमों एवं अवधारणाओं का ध्यान रखा जाता है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा विभाग के विद्यालय संचालन निर्देशों के अनुसार व्यवहारिक रूप भी प्रदान किया जाता है। समय सारणी बनाते समय विद्यालय प्रबंधन को कुछ प्रमुख बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है:

प्रारंभिक घंटियों में गणित, अंग्रेजी, विज्ञान जैसे विषय एवं बाद की घंटियों में कला, खेल, कार्यानुभव आदि रखना चाहिए।

सभी विषयों को उचित निर्धारित अवधि मिलना चाहिए।

भाषा और गणित को प्रतिदिन स्थान देना चाहिए।

सभी घंटियों को समान अवधि का होना चाहिए।

सामान्यतः 35–45 मिनट की एक घंटी होनी चाहिए। परंतु छोटी कक्षाओं के लिए गतिविधि आधारित छोटे सत्र भी रखे जा सकते हैं।

लगातार एक ही विषय न होना चाहिए एवं दो कठिन विषय लगातार रखने से बचना चाहिए एवं पढ़ाई के बीच ही गतिविधि, गीत, खेल या कला शामिल करना चाहिए।

शिक्षक उपलब्धता एवं रुचि के अनुसार घंटी का आवंटन होना चाहिए। जिस शिक्षक को जो विषय आवंटित है उसी अनुसार समय-सारिणी बनाया जाना चाहिए। खासकर बहुवर्गीय विद्यालय में संयोजन बनाना चाहिए।

समय सारणी मे खेल, पुस्तकालय, स्वच्छता, बालसभा आदि के लिए समय निश्चित होना चाहिए। समय सारणी केवल लिखाई-पढ़ाई वाला न होकर बहुआयामी होना चाहिए।

मध्याह्न भोजन के पहले और बाद की घंटियों के बीच संतुलन रखा जाना चाहिए क्योंकि भोजन के बाद हल्की गतिविधि उपयोगी रहती हैं।

छोटी कक्षा के छात्रों के लिए अधिक गतिविधि आधारित शिक्षण रखना चाहिए जिसमें चित्र, कहानी, कविता का उपयोग करना आवश्यक होना चाहिए।

समय सारणी में स्थानीय आवश्यकता अनुसार प्रार्थना, चेतना सत्र, योग, समाचार वाचन आदि को भी शामिल करना चाहिए।

समय सारणी साप्ताहिक कक्षावार एवं शिक्षक वार होना चाहिए।

समय सारणी को सूचना पट, प्रत्येक कक्षा और प्रधानाध्यापक कक्ष में प्रदर्शित होना चाहिए।

किसी कक्षा की समय सारणी का एक सामान्य दैनिक क्रम निम्न प्रकार से हो सकता है:

-चेतना सत्र
-भाषा
-गणित
-पर्यावरण
-विज्ञान
-मध्याह्न भोजन
-द्वितीय भाषा
-कला/खेल
-पुनरावृत्ति/पुस्तकालय

इस प्रकार विद्यालय में समय सारणी व्यवहारिक एवं छात्रों की आवश्यकता अनुसार बननी चाहिए। तो आईए हम अपने विद्यालय के लिए एक छात्रोपयोगी समय सारणी का निर्माण करें।

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🎉🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : पूर्वी चम्पारण, अंक–3"

केसरिया से अरेराज तक — आस्था, स्मृतियों और सभ्यताओं की यात्रा

'संपादकीय'

पूर्वी चम्पारण की धरती पर यात्रा करते हुए कई बार ऐसा लगता है जैसे समय यहाँ एक सीधी रेखा में नहीं बहता। कहीं बौद्ध सभ्यता के शांत अवशेष दिखाई देते हैं, कहीं शिवभक्ति की अनुगूँज, तो कहीं लोककथाओं और ग्रामीण विश्वासों से भरा जीवंत संसार। यही वह क्षेत्र है जहाँ धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन और सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा बन जाता है।

Kesariya Stupa पूर्वी चम्पारण की सबसे अद्भुत ऐतिहासिक धरोहरों में गिना जाता है। विशाल ईंटों से निर्मित यह स्तूप दूर से किसी शांत पर्वत की तरह दिखाई देता है। इतिहासकारों के अनुसार इसका संबंध बौद्ध परंपरा से है और माना जाता है कि भगवान बुद्ध ने वैशाली की अंतिम यात्रा के दौरान इस क्षेत्र में कुछ समय बिताया था। कहा जाता है कि यहीं उन्होंने अपने अनुयायियों को अंतिम उपदेशों में से एक दिया था। इसीलिए केसरिया केवल पुरातात्विक महत्व का स्थल नहीं, बल्कि बौद्ध चेतना और करुणा की प्रतीक भूमि भी है।

जब सुबह की धूप स्तूप की पुरानी ईंटों पर पड़ती है, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो सदियों पुरानी सभ्यता अब भी मौन होकर यात्रियों से संवाद कर रही हो। यह वही बिहार है, जिसने कभी एशिया के बड़े हिस्से को ज्ञान, दर्शन और आध्यात्मिकता की दिशा दी थी। केसरिया इस ऐतिहासिक स्मृति का जीवंत प्रतीक है।

पूर्वी चम्पारण की धार्मिक पहचान केवल बौद्ध विरासत तक सीमित नहीं है। Someshwarnath Temple भी यहाँ की आस्था का प्रमुख केंद्र है। अरेराज स्थित यह प्राचीन शिव मंदिर उत्तर बिहार के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। श्रावण मास में यहाँ उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ केवल धार्मिक उत्साह नहीं दर्शाती, बल्कि उस सांस्कृतिक एकता का भी संकेत देती है जो सदियों से इस क्षेत्र को जोड़ती रही है।

अरेराज का उल्लेख कई लोककथाओं और पौराणिक परंपराओं में मिलता है। ग्रामीण समाज में आज भी मंदिर से जुड़ी कथाएँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाई जाती हैं। यही मौखिक परंपराएँ इस क्षेत्र की सांस्कृतिक स्मृति को जीवित रखती हैं। आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव के बावजूद यहाँ लोकविश्वासों की जड़ें अब भी गहरी हैं।

पूर्वी चम्पारण की खास बात यह है कि यहाँ धर्म और लोकजीवन अलग-अलग नहीं चलते। पर्व-त्योहारों के समय पूरा सामाजिक वातावरण बदल जाता है। छठ पर्व में तालाबों और नदियों के किनारे दीपों की पंक्तियाँ मानो जल और प्रकाश का उत्सव रचती हैं। होली में गाँवों की चौपालें गीतों से भर जाती हैं, तो मुहर्रम और ईद के अवसर पर सामाजिक सहभागिता की अलग ही तस्वीर दिखाई देती है। यहाँ की सांस्कृतिक संरचना सहअस्तित्व की भावना से विकसित हुई है।

इस क्षेत्र के मेलों में भी धार्मिक और सामाजिक जीवन का सुंदर संगम दिखाई देता है। मंदिरों के आसपास लगने वाले मेले ग्रामीण अर्थव्यवस्था, लोककला और सामुदायिक जीवन को एक साथ जोड़ते हैं। बच्चों के लिए ये उत्सव होते हैं, व्यापारियों के लिए अवसर, और बुजुर्गों के लिए स्मृतियों का पुनर्मिलन।

पूर्वी चम्पारण की आध्यात्मिक विरासत का एक रोचक पक्ष यह भी है कि यहाँ बौद्ध, वैदिक और लोक परंपराएँ समानांतर रूप से विकसित हुईं। यही कारण है कि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान किसी एक रंग में नहीं बँधती। यहाँ इतिहास और आस्था एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री प्रतीत होते हैं।

शायद इसी वजह से पूर्वी चम्पारण केवल धार्मिक स्थलों का समूह नहीं लगता; यह मानो उन विचारों और विश्वासों की यात्रा है, जिन्होंने सदियों तक भारतीय समाज को दिशा दी। यहाँ की मिट्टी में चलते हुए महसूस होता है कि सभ्यताएँ केवल राजधानियों में नहीं बनतीं— वे गाँवों, यात्राओं, तीर्थों और लोगों की स्मृतियों में भी आकार लेती हैं।

.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org